कन्या राशि

कन्या राशि वाले जातक का कद मध्यम, कोमल शरीर, सुन्दर व आकर्षक आंखें, वाणी तेज व कुछ बारीक होती है। कन्या राशि के जातक कल्पनाशील, संवेदनशील स्वभाव के होते है। द्विस्वभाव व परिवर्तनशील पकृति के कारण एक जगह पर नहीं रह पाते, लम्बे समय तक ये जन्मजात आलोचक होते हैं, जो लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं, उसे किसी भी स्थिति में सम्पूर्ण करते हैं।

कन्या राशि पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव एवं शनि का संचरण वर्ष भर रहेगा। प्रभाव स्वरूप शरीरीरिक कष्ट, गृह में क्लेश, आर्थिक समस्या, आय कम व व्यय की अधिकता रहेगी। वर्ष के आरम्भ में राशि स्वामी बुध वक्री होकर धनु राशि में राहु के साथ संचरण करेंगे। बनते हुए कार्यों में विघ्न आ सकते हैं। मई तक गुरु आपकी राशि से छठें भाव में रहेंगे, परिवार में किसी सदस्य का विछोह कर सकते हैं। काम-काज की स्थितियां भी ठीक नहीं रहेंगी, बनते हुए कार्यों में विघ्न आयेगा। गुरु जब सप्तम स्थान पर आयेंगे तब ही आपके हर कार्य व पराक्रम में वृद्धि होगी। लग्न में शनि का संचरण शारीरिक स्वास्थ्य को अच्छा नहीं रहने देगा, वात सम्बन्धी विकार हो सकता है। कभी-कभी ज्वर, मौसमी बीमारियों का प्रकोप भी हो सकता है। धन-सम्पत्ति के क्षेत्र में समय बहुत अच्छा नहीं रहेगा। घर में बंटवारा व विवाद भी सम्भव है। भाई-बहनों के साथ एवं पति-पत्नी एक-दूसरे के साथ पूर्ण सहयोग पदान करेंगे। आपसी सम्बन्धों में मधुरता बनी रहेगी।

सन्तान पक्ष के लिए यह वर्ष उत्तम है, उनसे कुछ सहयोग की प्राप्ति भी सम्भव है। माता-पिता के स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष अधिक अच्छा नहीं है। इसके अतिरिक्त घर में नये मेहमान का आगमन भी हो सकता है। अविवहितों को विवाह सुख की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार के लिए यह वर्ष चुनौतीपूर्ण है। इस समय केतु की दशम तथा राहु की चतुर्थ में स्थिति व्यापार या नौकरी में आपको समय-समय पर अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, ऐसे में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें। जनवरी से अप्रैल तक मंगल की एकादश भाव में स्थिति ही व्यापार में आपको शुभ फल देगी और तब ही आपकी स्थिति सुदृढ़ बनेगी। इस समय में भूमि या धन-सम्पत्ति सम्बन्धी लाभ होगें। नौकरी पेशा वाले लोग संयम-धैर्य से काम करें। अपने अधिकारी वर्ग को प्रसन्न रखें। प्रेमी युगलों के लिए यह वर्ष अच्छा है, प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी। प्रेमी-प्रमिका विवाह के लक्ष्य तक पहुंचेंगे। इस वर्ष लम्बी दूरी की यात्राएं कम होंगी। कभी-कभी समीपस्थ यात्राएं हो सकती हैं, आप मानसिक रूप से प्रसन्नचित्त रहेंगे।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

इस वर्ष के लिए कुछ विशेष उपाय निम्न प्रकार से है-

1. प्रत्येक मंगलवार को गायों को मीठी चपातियां खिलायें।
2. निरन्तर ४३ दिन तक या ४३ शनिवार शिव मन्दिर पूजा कर कच्ची लस्सी काले तिल पर डालकर चढ़ायें।
3. ६०० ग्राम चने की दाल ६ दिन तक मन्दिर में दान दें।